दैनिक
न्याय साक्षी
अधिकार से न्याय तक

आवश्यक सूचना

आप सभी को सूचित करते हर्ष हो रहा है, कि न्यायसाक्षी अधिकार से न्याय तक का सर्वे का कार्य तेजी से चल रहा है, जल्द ही सर्वे की टीम आपके घर विजिट करेगी, कृपया अपनी प्रति सुरक्षित कराएं।

RNI NO - CHHHIN/2018/76480 | Postal Registration No-055/Raigarh DN CG | रायगढ़, गुरुवार 24 अप्रैल 2025 | पृष्ठ-4, मूल्य 3 रुपए | वर्ष-07, अंक- 202

पहलगाम आतंकी हमला

हाथ में एके-47 और पठानी सूट, पहलगाम के हमलावर आतंकी की तस्वीर आई सामने, पूरे इलाके में सर्च ऑपरेशन जारी

पहलगाम । आरएनएस

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए दिल दहला देने वाले आतंकी हमले के एक दिन बाद, एक हमलावर की तस्वीर सामने आई है। यह तस्वीर घटनास्थल की बताई जा रही है, जिसमें हमलावर पठानी सूट पहने हुए और हाथ में र्य-47 थामे दिखाई दे रहा है। हालांकि, तस्वीर में उसका चेहरा स्पष्ट नहीं है।

घटना के बाद से सुरक्षाबलों ने पूरे इलाके को चारों ओर से घेर लिया है। आर्मी, सीआरपीएफ, एसओजी और जम्मू-कश्मीर पुलिस की संयुक्त टीम ऑपरेशन चला रही है। आतंकियों की तलाश में ड्रोन और हेलीकॉप्टर का इस्तेमाल हो रहा है। मुगल रोड पर अतिरिक्त बल तैनात किए गए हैं।

हमले के तुरंत बाद राष्ट्रीय जांच एजेंसी की टीम श्रीनगर पहुंच चुकी है। एनआईए ने हमले की जांच अपने हाथ में ले ली है। फॉरेंसिक विशेषज्ञों की टीम भी घटनास्थल पर मौजूद है और सबूत जुटाने में लगी है। सुरक्षाबलों के ऑपरेशन के पूरा होते ही एनआईए ने ग्राउंड पर जांच शुरू कर दी।

इस भीषण हमले में कम से कम 26 लोग मारे गए और 17 से अधिक घायल हुए हैं। हमलावरों ने पहलगाम की बैसारन घाटी में पर्यटकों को निशाना बनाया और चुन-चुनकर लोगों पर गोलियां चलाईं।

घटना की गंभीरता को देखते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सऊदी अरब का दौरा बीच में ही छोडक़र आज सुबह भारत लौट आए। दिल्ली एयरपोर्ट पर हस्र् अजीत डोभाल, विदेश मंत्री एस.

जयशंकर और विदेश सचिव ने पीएम को हमले की पूरी जानकारी दी। मंगलवार को ही प्रधानमंत्री ने सऊदी से हालात का आकलन कर लिया था।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह आज पहलगाम का दौरा करेंगे, जबकि कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने उन्हें फोन कर घटना पर चर्चा की और पूरी रिपोर्ट मांगी है। फिलहाल घाटी में हाई अलर्ट घोषित कर दिया गया है। खुफिया एजेंसियों को अंदेशा है कि हमले में शामिल अन्य आतंकी अभी भी इलाके में छिपे हो सकते हैं। सर्च ऑपरेशन में तेजी लाई गई है और अगले 24 घंटे कश्मीर के लिए बेहद संवेदनशील माने जा रहे हैं।

सैन्य वर्दी में थे आतंकी, 70 राउंड गोलीबारी की

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले में 26 लोगों की मौत हो गई है। सुरक्षाबल अब आतंकियों की तलाश में जुटे हैं। इस बीच प्रारंभिक जांच में पता चला है कि कम से कम 4 आतंकियों ने घटना को अंजाम दिया है और उनके पास अमेरिका में बनी असॉल्ट राइफल और एके-47 जैसे हथियार थे। शक है कि 2 आतंकी विदेशी थे।

घटनास्थल से करीब 50-70 कारतूस के खोखे बरामद किए गए हैं।

एक सूत्र ने कहा, घास के मैदान में पहुंचने के बाद आतंकवादियों ने पहले पर्यटकों को बंदूक की नोक पर बंधक बना लिया और फिर सभी महिलाओं और बच्चों को दूर रहने को कहा। पहचान के बारे में पूछताछ करने के बाद उन्होंने नजदीक से गोली चलाई। बाद में उन्होंने अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी।

इस सूत्र ने बताया कि हमला करीब 20 से 25 मिनट तक चला।

सूत्र ने कहा, हत्या के बाद आतंकवादी मौके से भाग गए। प्रथम दृष्टया ऐसा लगता है कि आतंकवादी किश्तवाड़ से सीमा पार कर अपने स्थानीय गुर्गों की मदद से कोकरनाग के रास्ते बैसरन पहुंचे।

सूत्र के अनुसार, खुफिया एजेंसियों ने कुछ दिन पहले एक अलर्ट भेजा था कि एक आतंकवादी समूह 'गैर-स्थानीय लोगों' पर हमले की योजना बना रहा है और आईईडी हमले की भी संभावना है, लेकिन ज्यादा जानकारी सामने नहीं आई थी।

जांच में सामने आया है कि आतंकियों ने पूरे हमले की वीडियोग्राफी की। इसके लिए उन्होंने बॉडीकैम पहन रखे थे।

आतंकियों ने हमले से पहले स्थानीय मददगार और ओवर ग्राउंड वर्कर्स के साथ मिलकर इलाके की रेकी भी की थी।

खुफिया एजेंसियों ने शीर्ष लश्कर कमांडर सैफुल्लाह कसूरी उर्फ खालिद और 2 पाक अधिकृत कश्मीर स्थित आतंकवादियों को इस हमले का मास्टरमाइंड बताया है।

खबर है कि राष्ट्रीय जांच एजेंसी की टीम घटनास्थल पर पहुंच रही है।

जांचकर्ताओं का मानना है कि आतंकवादियों ने हमले के लिए बैसरन को इसलिए चुना, क्योंकि इस इलाके में सुरक्षा बलों की खास मौजूदगी नहीं थी।

इसके अलावा पहलगाम से करीब 6.5 किलोमीटर दूर इस इलाके में पहुंचने के लिए केवल पैदल चलकर या घोड़ों के जरिए ही पहुंचा जा सकता है।

इस वजह से सुरक्षाबलों को पहुंचने में देरी लगेगी और आतंकियों को भागने के लिए ज्यादा समय मिल सकेगा।

पहलगाम आतंकी हमले के बाद कुलगाम में आतंकियों और सुरक्षा बलों के बीच मुठभेड़ शुरू, 2 आतंकी ढेर

श्रीनगर । आरएनएस

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए कायराना आतंकी हमले के बाद आतंकियों के खिलाफ सेना का ऑपरेशन जारी है। पूरे प्रदेश में सर्च अभियान चलाया जा रहा है। बुधवार की सुबह ही उरी सेक्टर में घुसपैठ की कोशिश कर रहे 2 आतंकियों को मार गिराया है। वहीं, अब बुधवार की शाम को जम्मू-कश्मीर के कुलगाम में आतंकियों और सुरक्षाबलों के बीच एनकाउंटर शुरू हो गया है।

जानकारी के मुताबिक, सुरक्षाबल कुलगाम क्षेत्र में आतंकियों के खिलाफ सर्च ऑपरेशन चला रहे थे। इसी दौरान जिले के तंगमर्ग इलाके में गोलियों की आवाज सुनी गई। बता दें कि ये क्षेत्र प्रसिद्ध अबरबल झरने के पास स्थित है जो कि काफी मशहूर टूरिस्ट स्पॉट है। ये क्षेत्र प्रदेश के पुंछ जिले की सीमा से सटा हुआ है। जानकारी के मुताबिक, आतंकियों और सुरक्षाबलों के बीच मुठभेड़ जारी है। घटना के बारे में अधिक जानकारी की प्रतीक्षा की जा रही है।

बुधवार को सर्च ऑपरेशन में लगी सेना ने उरी सेक्टर में घुसपैठ की कोशिश कर रहे 2 आतंकियों को मार गिराया है। ये आतंकी बारामुल्ला के उरी नाला में सरजीवन के जनरल क्षेत्र से घुसपैठ की कोशिश कर रहे थे। हालांकि, सेना ने आतंकियों के नापाक मंसूबों पर पानी फेर दिया। इस दौरान सुरक्षाबलों और आतंकवादियों के बीच भारी गोलीबारी हुई जिसमें दो आतंकवादियों को मार गिराया गया। आतंकवादियों के पास से भारी मात्रा में हथियार, गोला-बारूद और युद्ध जैसे अन्य सामान बरामद किए गए हैं।

मंगलवार को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में आंतकी हमले में 26 लोगों की मौत हो गई। मृतकों में ज्यादातर लोग पर्यटक थे और मिनी स्विटजरलैंड के नाम से मशहूर पहलगाम के बैसरन घाटी में पिकनिक मनाने के लिए आए थे। अचानक से आतंकियों ने वहां आकर लोगों को गोलियों से भून डाला। आतंकियों ने हिंदू धर्म के लोगों की पहचान और उन्हें निशाना बनाकर बेरहमी से मौत के घाट उतारा।

सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर, पहाड़ी राज्यों में पर्यटकों के लिए सुरक्षा की मांग

नई दिल्ली । आरएनएस

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में पर्यटकों पर हुए आतंकवादी हमले के बाद सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका दायर की गई है, जिसमें केंद्रीय गृह मंत्रालय और राज्यों को पहाड़ी राज्यों और दूरदराज के स्थानों पर जाने वाले पर्यटकों की सुरक्षा के लिए सुरक्षा उपाय करने और उन स्थानों पर सशस्त्र बलों को तैनात करने का निर्देश देने की मांग की गई है, जहां बड़ी संख्या में पर्यटक एकत्र होते हैं.

यह याचिका अधिवक्ता विशाल तिवारी ने दायर की है. मंगलवार को दोपहर करीब 2.30 बजे आतंकवादियों ने दक्षिण कश्मीर के पहलगाम से करीब 6 किलोमीटर दूर बैसरन नाम के घास के मैदान पर पर्यटकों पर हमला किया, जिसमें दर्जनों लोग मारे गए, जिनमें ज्यादातर पर्यटक थे और कई अन्य घायल हो गए. इस भयावह हमले के कारण पूरा देश गुस्से और दुख से उबल रहा है.

तिवारी द्वारा दायर याचिका में जम्मू-कश्मीर में शुरू होने जा रही अमरनाथ यात्रा को सुरक्षित बनाने के लिए निर्देश देने की भी मांग की गई है. याचिका में पर्यटन स्थलों, विशेषकर दूरदराज के पहाड़ी और घाटी क्षेत्रों में जहां पर्यटक आते हैं और एकत्र होते हैं, उचित चिकित्सा सुविधाओं की व्यवस्था के लिए निर्देश देने की भी मांग की गई है ताकि किसी भी आपात स्थिति के समय त्वरित चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराई जा सके.

याचिका में कहा गया है कि अधिकांश उत्तर भारत के राज्यों की अर्थव्यवस्था मुख्य रूप से पर्यटन क्षेत्र पर निर्भर करती है, क्योंकि गर्मी के मौसम में बड़ी संख्या में पर्यटक यहां आते हैं. साथ ही कहा गया है कि आतंकवादी हमलों से इस क्षेत्र की अर्थव्यवस्था प्रभावित हो सकती है.

याचिका में पर्यटकों की सुरक्षा के लिए सुरक्षात्मक उपाय करने पर जोर दिया गया. याचिका में कहा गया है कि हाल ही में पहलगाम हमले के दौरान संवेदनशील क्षेत्र होने के बावजूद वहां किसी प्रकार की सुरक्षा व्यवस्था नहीं की गई.

याचिका में कहा गया कि संयुक्त राष्ट्र संगठन की आतंकवाद रोधी शाखा ने पर्यटकों की सुरक्षा के लिए दिशा-निर्देश बनाए हैं, जिनका भारत द्वारा पालन नहीं किया जा रहा है.

पहलगाम हमले को लेकर प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में सीसीएस की बैठक, शाह समेत कई मंत्री मौजूद

नईदिल्ली । आरएनएस

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद केंद्र सरकार में आला स्तर पर बैठकों के दौर जारी है। अब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में दिल्ली में प्रधानमंत्री आवास पर सुरक्षा संबंधी कैबिनेट समिति (सीसीएस) की बेहद अहम बैठक जारी है।

इसमें गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और विदेश मंत्री एस जयशंकर समेत आला अधिकारी हिस्सा ले रहे हैं। बता दें कि पहलगाम हमले में 26 लोग मारे गए हैं।

इससे पहले रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने दिल्ली में वायु सेना, थल सेना और नौसेना के प्रमुखों के साथ बैठक की। करीब ढाई घंटे चली इस बैठक में जम्मू-कश्मीर की समग्र स्थिति पर चर्चा और अगले कदम को लेकर बातचीत की गई। तीनों सेना प्रमुखों ने अपनी तैयारियों की जानकारी रक्षा मंत्री को दी।

बैठक में प्रमुख रक्षा अध्यक्ष सीडीएस जनरल अनिल चौहान, तीनों सेनाओं के प्रमुख, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजित डोभाल और रक्षा सचिव ने हिस्सा लिया।

हमले पर रक्षा मंत्री ने कहा, आतंकवादियों द्वारा किए गए कायरतापूर्ण हमले में देश ने निर्दोष नागरिकों को खोया है। हम सभी दुखी हैं। आतंकवाद के प्रति हमारी जीरो टॉलरेंस की नीति है। मैं आश्वस्त करना चाहता हूं कि सरकार हर जरूरी कदम उठाएगी। हम न केवल इस कृत्य के दोषियों तक पहुंचेंगे, बल्कि उन तक भी पहुंचेंगे जिन्होंने पर्दे के पीछे के इस हमले की साजिश रची है। जिम्मेदारों को आने वाले समय में जोरदार और स्पष्ट जवाब मिलेगा।

हमले को लेकर जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने 24 अप्रैल को सर्वदलीय बैठक बुलाई है।

उन्होंने 'एक्स' पर लिखा, 'पहलगाम में हुए हमले के बाद मैंने कल दोपहर एक सर्वदलीय बैठक बुलाई है। मैंने सभी प्रमुख राजनेताओं, जम्मू-कश्मीर की सभी पार्टियों के सभी माननीय सांसदों और जम्मू-कश्मीर विधानसभा में विपक्ष के नेता को निमंत्रण पत्र भेजे हैं।' अब्दुल्ला ने इस संबंध में एक पत्र भी जारी किया है, जिसके मुताबिक, ये बैठक दोपहर 3 बजे होगी।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने प्रधानमंत्री मोदी से बात की और पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले की कड़ी निंदा की।

बयान के मुताबिक, 'उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने प्रधानमंत्री मोदी को फोन किया और जम्मू-कश्मीर में हुए नृशंस आतंकवादी हमले की कड़ी निंदा की। उन्होंने जानमाल के नुकसान पर अपनी गहरी संवेदना व्यक्त की और दोहराया कि संयुक्त राज्य अमेरिका इस संकट में भारत के लोगों के साथ खड़ा है।'

सीसीएस में राष्ट्रीय सुरक्षा से संबंधित सभी फैसले लिए जाते हैं। यह समिति आंतरिक और बाहरी सुरक्षा से संबंधित सभी मामलों पर फैसला लेने वाली सर्वोच्च संस्था होती है। इनमें सीमा सुरक्षा, आतंकवाद और सायबर सुरक्षा जैसे मुद्दे शामिल हैं।

इसकी बैठक में बैठक में प्रधानमंत्री, रक्षा मंत्री, गृह मंत्री, वित्त मंत्री और विदेश मंत्री शामिल होते हैं। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए), कैबिनेट सचिव और रक्षा सचिव समेत आला अधिकारी भी हिस्सा लेते हैं।

पहलगाम आतंकी हमले के बाद यूपी में हाई अलर्ट, नेपाल सीमा पर कड़ी निगरानी

लखनऊ । आरएनएस

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में मंगलवार को हुए आतंकी हमले के बाद उत्तर प्रदेश पुलिस को हाई अलर्ट पर रखा गया है। यूपी के डीजीपी प्रशांत कुमार ने राज्य के सभी पुलिस अधिकारियों को सतर्कता बरतने और सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत करने के निर्देश दिए हैं।

पहलगाम में हुए आतंकी हमले के मद्देनजर उत्तर प्रदेश में नेपाल से सटी अंतरराष्ट्रीय सीमा और सभी जिलों के बस स्टेशनों व रेलवे स्टेशनों पर कड़ी निगरानी रखी जा रही है। किसी भी अप्रिय स्थिति से निपटने के लिए यूपी पुलिस को अलर्ट पर रहने के लिए कहा गया है।

उल्लेखनीय है कि जम्मू एवं कश्मीर के अनंतनाग जिले के पहलगाम हिल स्टेशन पर मंगलवार को आतंकियों ने हमला किया था। हमले में दो विदेशियों सहित 16 पर्यटकों की मौत हो गई और 20 अन्य पर्यटक और स्थानीय लोग घायल हो गए। हालांकि, मृतकों की संख्या और बढ़ सकती है। समूचे विश्व ने इस हमले की निंदा की है, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी इस पर नजर बनाए हुए हैं।

इस घटना के तुरंत भारतीय सुरक्षा बल इलाके की निगरानी कर रहे हैं। सेना की ओर से दी गई जानकारी के अनुसार, संयुक्त बल स्थिति की निगरानी कर रहे हैं। चिकित्सा टीमों को तुरंत तैनात किया गया और हताहतों को निकालने का काम शुरू किया गया। भारतीय सेना और जम्मू-कश्मीर पुलिस द्वारा बैसरन, पहलगाम, अनंतनाग के सामान्य क्षेत्र में एक संयुक्त तलाशी अभियान शुरू किया गया है, जो अभी भी जारी है। हमलावरों को न्याय के कटघरे में लाने पर पूरा ध्यान केंद्रित किया गया है।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह एक तत्काल समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करने के लिए श्रीनगर पहुंचे और सुरक्षा बलों ने अपराधियों की तलाशी के लिए बड़े पैमाने पर अभियान शुरू किया। अधिकारियों द्वारा जारी सूची के अनुसार, मारे गए 16 लोगों में नेपाल और यूएई के एक-एक व्यक्ति भी शामिल हैं।

भारत आतंक के आगे नहीं झुकेगा, दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा... पहलगाम हमले पर बोले शाह

जम्मू । आरएनएस

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए नृशंस आतंकी हमले पर देशभर में रोष व्याप्त है। इस बीच केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने इस हमले की कड़ी निंदा करते हुए मृतकोंको श्रद्धांजलि अर्पित की और कहा कि भारत आतंकवाद के आगे कभी नहीं झुकेगा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा, भारी मन से पहलगाम आतंकी हमले के मृतकों को अंतिम श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। भारत आतंक के आगे नहीं झुकेगा। इस नृशंस आतंकी हमले के दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के घटनास्थल बैसारन क्षेत्र पहुंचे।

पहलगाम में मंगलवार दोपहर हुए आतंकवादी हमले में 27 लोगों की मौत हो गई। 20 से ज्यादा लोग घायल हैं। हमला उस वक्त किया गया, जब बैसरन घाटी में बड़ी तादाद में पर्यटक मौजूद थे। मृतकों में क्क, गुजरात, महाराष्ट्र, कर्नाटक, तमिलनाडु और ओडिशा के पर्यटक हैं। नेपाल और ृश्व के एक-एक टूरिस्ट और 2 स्थानीय भी मारे गए।

जम्मू-कश्मीर सरकार ने मुआवजे का किया ऐलान, मृतकों के परिजनों को मिलेंगे 10 लाख

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में मंगलवार को हुए आतंकी हमले ने देश को झकझोर कर रख दिया है। इस हमले में कई बेगुनाह लोगों ने अपनी जान गंवाई, जबकि कई अन्य गंभीर रूप से घायल हुए। इस दुखद घटना के बाद जम्मू-कश्मीर सरकार ने पीड़ितों और उनके परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए मुआवजे की घोषणा की है।

सरकार ने मृतकों के परिजनों के लिए 10 लाख रुपये और घायलों के लिए 2 लाख रुपये की अनुग्रह राशि देने का ऐलान किया है। वहीं, मामूली रूप से घायलों के लिए 1 लाख रुपये की अनुग्रह राशि की घोषणा की गई।

जम्मू-कश्मीर मुख्यमंत्री कार्यालय ने इस संबंध में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जानकारी दी। एक्स पोस्ट में लिखा गया, पहलगाम में कल हुए घृणित आतंकवादी हमले से मैं बहुत स्तब्ध और व्यथित हूं। निर्दोष नागरिकों के खिलाफ इस बर्बर और मूर्खतापूर्ण क्रूरतापूर्ण कृत्य का हमारे समाज में कोई स्थान नहीं है। हम इसकी कड़ी निंदा करते हैं। हम मृतकों के प्रति शोक व्यक्त करते हैं।

पोस्ट में कहा गया कि कोई भी धनराशि प्रियजनों के नुकसान की भरपाई नहीं कर सकती, लेकिन समर्थन और एकजुटता के प्रतीक के रूप में, जम्मू-कश्मीर सरकार मृतकों के परिवारों के लिए 10-10 लाख रुपये, गंभीर रूप से घायलों के लिए 2 लाख रुपये और मामूली रूप से घायलों के लिए 1 लाख रुपये की अनुग्रह राशि की घोषणा करती है। पीड़ितों को उनके घरों तक वापस ले जाने के लिए सभी व्यवस्थाएं की गई हैं। घायलों को सर्वोत्तम चिकित्सा सेवा प्रदान की जा रही है।

पोस्ट में आगे लिखा गया, हम शोक संतप्त परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हैं। हम आपके दुख में शामिल हैं और इस कठिन समय में आपके साथ खड़े हैं। लेकिन आतंक हमारे संकल्प को कभी नहीं तोड़ पाएगा और हम तब तक चैन से नहीं बैठेंगे जब तक कि इस बर्बरता के पीछे के लोगों को न्याय के कटघरे में नहीं लाया जाता।